महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीत मध्यमा (चौथा वर्ष)

कुल अंक- 300. क्रियात्मक - 200 अंक, लेखित शास्त्र - 70 अंक.

समय: - 1 साल (80 से 100 घंटे का प्रशिक्षण)

नियत कार्य (Assignment) - 30 अंक.

क्रियात्मक परीक्षा समय: - 20 मिनिट. लेखित परीक्षा समय: - 2.00 घंटे.

<u>क्रियात्मक</u> - 200 अंक

<u>राग ज्ञान</u>: - राग संख्या 8 - अल्हैयाबिलावल, हमीर, तिलंग, भैरव, पीलु, बहार, तिलककामोद, देशकार.
उपरोक्त रागों में कम से कम 1 - 1 मध्यलय की बंदिश करना आवश्यक है. प्रत्येक राग की शास्त्र माहिती आरोह - अवरोह के साथ राग का पूर्वांग और उत्तरांग का चलन, पकड़ की जानकारी और गाकर बताने की क्षमता.

1) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 2 राग में **<u>मुक्त</u>** आलाप और मध्यलय के स्थायी - अंतरा में तालबद्ध आलाप - तान (तीनताल में) करने की क्षमता और 5 से 7 मिनिट स्वतंत्र प्रस्तुति की क्षमता. द्रुतलय में भी गाने की क्षमता.
2) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 1 राग में ध्रुपद और 1 रागमें धमार - ठाय और दुगुन मे गाने की क्षमता.
3) राग यमन और मालकौंस में बड़ाख्याल की बंदिश गाने की क्षमता और राग यमन में बड़ा और छोटा ख्याल आलाप - तान, बोलतान के साथ 15 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.
4) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 1 राग में तराना.
5) रागों में श्रुतियों के प्रयोग की जानकारी.

<u>स्वर ज्ञान</u>: - 1) आकार में गाये गए 3 - 4 स्वर समूह को पहचानने की क्षमता.
2) आकार में गाये गए स्वर समूह से राग पहचानने की क्षमता।

<u>ताल ज्ञान</u> : - दीपचंदी, रूपक, धमार - इन तालों को हाथ से ताली देकर ठाय तथा दुगुन बोलने की, लिखने की क्षमता और इन सभी तालों की माहिती**.**

<u>सुगम संगीत</u>: - उपरोक्त राग आधारित फिल्मी गीत - गजल - गुजराती गीत, भजन या हवेली संगीत के पद तैयार करना. **(कोई भी एक)**

<u>लेखित शास्त्र</u> - 70 अंक

1) **पारिभाषिक शब्द** : - श्रुति, जनकमेल, जन्यराग, ग्रह, अंश, न्यास, दुगुन, तिगुण, आड़ लय, शुद्धराग, मींड़, गमक, कण / स्पर्श, बोलतान, बोलआलाप, सप्तक, राग की जाति, सप्तक का पूर्वांग -उत्तरांग, नाद की विशेषता, वर्ण, स्थायी, आरोही, अवरोही, संचारी, वाद्यो के प्रकार तथा पिछले साल के सभी पारिभाषिक शब्द.
2) **इस साल के किसी भी राग के** छोटाख्याल की बंदिश को ताल तथा स्वर में पं॰ भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध करने की क्षमता.
3) **जीवन चरित्र तथा कार्य:** - 1) पं. ओमकारनाथ ठाकुर 2) उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ

4) अभी तक के सभी रागों की जानकारी तथा समान स्वर वाले रागो की तुलना तथा रागों के बारे में प्रश्न पूछ सकते है.
5) लिखे हुए स्वर समूह से राग पहचान.
6) अभी तक के सभी तालों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

नियत कार्य (Assignment) - 30 अंक

नियत कार्य के विषय: - (किन्ही 03 विषय पर लिखना)

1) इस साल के रागों में से किन्ही 02 रागों की माहिती और मुक्त आलाप लिखना.
2) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में ध्रुपद या रजाखानी गत की ठाय पं॰ भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
3) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में धमार की ठाय या रजाखानी गत (झपताल या रूपक या एकताल) पं॰ भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
4) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में 2 आलाप और 2 तान तीनताल में लिखना.
5) समान स्वर वाले रागों का तुलनात्मक लेखन (राग भूपाली - देशकार, बागेश्री - भीमपलासी).
6) अभी तक सीखे तालों में से चौताल और धमार तालों की ठाय और दुगुन लिखना.
7) जीवन चरित्र तथा कार्य - किसी भी 01 कलाकार के - 1) पं. ओमकारनाथ ठाकुर 2) उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड - 25 से 30 अंक.
बी ग्रेड - 20 से 24 अंक.
सी ग्रेड - 15 से 19 अंक.

<u>सूचना</u>: - 1) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर गाने को तैयार करना॰
2) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है॰
3) क्रियात्मक परीक्षा के वक्त आपने चुने हुए नियत कार्य के विषय में से प्रश्न पूछे जायेंगे॰

<u>उद्देश्य</u>: - नोमतोम आलाप की समझ देना. दुगुन लयकारी का ज्ञान देना. कलाकारों के जीवन चरित्र उस तरह समझाना कि उससे विदयार्थी को प्रेरणा मिले.